मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 118, मुंबई, गुरुवार, 9 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र बोर्ड : 12वीं का रिजल्ट घोषित

लड़कियों ने मारी बाजी

कुल 94.22 प्रतिशत छात्र हुए पास

मुंबई। महाराष्ट्र बोर्ड के 12वीं के छात्रों का इंतजार खत्म हो चुका है आज दोपहर एक बजे बारहवीं का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। राज्य में इस बार 94.21% छात्र पास हुए हैं। इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है। इस बार 95.35% लड़कियां और 93.29% छात्र पास हुए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

75 फीसदी हुई थी लिखित परीक्षा

बोर्ड की तरफ से सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बताया गया कि इस वर्ष 12वीं की परीक्षा 75% लिखित रूप से आयोजित करवाई गई थी। जिसमें 40% पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्यक्ष परीक्षा ली गई थी। जबकि मौखिक परीक्षा, आंतरिक मूल्यांकन और प्रत्यक्ष परीक्षा और प्रोजेक्ट की दो समयावधि दी गई थी। इन परीक्षाओं को उन्हें स्कूलों में आयोजित करवाया गया था। जहां छात्र पढ़ाई करते थे।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड

फरार शूटर सौरभ महाकाल पुणे में गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

पुणे। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने पुणे में फरार शॉर्प शूटर सौरभ महाकाल को गिरफ्तार किया है। पंजाब के मानसा जिले में 29 मई की शाम पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इससे पहले, इस हत्याकांड में पंजाब पुलिस ने देवेंद्र उर्फ काला को गिरफ्तार किया था। अन्य दो संदिग्ध पुणे के संतोष जाधव और सौरभ महाकाल फरार चल रहे थे।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई का अगला सीपी कौन?

संजय पांडेय को एक्सटेंशन नहीं

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। संजय पांडेय सोमवार को मीडिया से मिले, साथ में चाय पी और कई खबरें भी शेयर कीं, लेकिन बातों-बातों में यह भी बोल गए कि इनसे (जॉइंट सीपी, विश्वास नांगरे पाटील) ज्यादा जानकारी (खबरों की) के लिए बात करो, मैं तो अतीत हूं। पांडेय 30 जून को रिटायर हो रहे हैं। उनके इस अतीत शब्द के इस्तेमाल को इस संकेत के तौर पर देखा जा रहा है कि उन्हें शायद एक्सटेंशन मिलने वाला नहीं है। हालांकि, पुलिस महकमे में काफी लोगों का कहना है कि पांडेय वर्तमान सरकार के लाडले अधिकारियों में से एक हैं, इसलिए ऐन वक्त पर उन्हें एक्सटेंशन मिल जाए, तो भी आश्चर्य नहीं करना चाहिए। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'मुझे धमकी नहीं मिली'

बांद्रा पुलिस को बताया– मेरी किसी से दुश्मनी नहीं, किसी लॉरेंस या गोल्डी को नहीं जानता

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान को मिले धमकी भरे खत के मामले में मुंबई पुलिस ने एक अज्ञात शख्स के नाम पर केस दर्ज किया है। अब इस मामले में पुलिस ने सलमान का बयान दर्ज करवाया है। खबर के मुताबिक, पुलिस को दिए गए बयान में सलमान ने धमकी मिलने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, मेरी किसी से दुश्मनी नहीं है और ना ही मुझे किसी ने धमकी दी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई की सड़कों पर फिर दिखेंगे क्लीन-अप मार्शल!

मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा गया, अवैध वसूली का लग चुका है आरोप

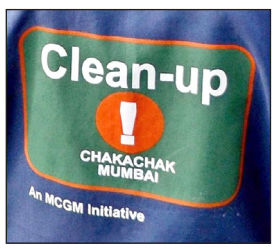

मुंबई। जल्द ही सड़कों पर फिर से क्लीन-अप मार्शल नजर आ सकते हैं। इस संदर्भ में अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। गौरतलब है कि कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच मास्क पहनने की मांग ने फिर से जोर पकड़ा है। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे कई बार लोगों से मास्क पहनने की अपील भी कर चुके हैं। कोरोना काल में क्लीन-अप मार्शल के जरिए बीएमसी बिना मास्क पहनने वालों से जुर्माना वसलूती थी।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

झुलसाती गरमी

रिकॉर्डों का टूटना हमेशा सुखदायी नहीं होता, कई बार वे बेहद कष्टदायक होते हैं। खासकर तब, जब वे कुदरती घटनाक्रमों से जुड़े हों। राजधानी दिल्ली समेत देश के विभिन्न इलाकों में चढ़ता तापमान इन दिनों जैसे कीर्तिमान गढ़ रहा है, वे आम जनजीवन को व्याकुल करने वाले, और साधनहीन लोगों के लिए जानलेवा हैं। तपते इलाकों में पारा कई-कई घंटों तक 42-43 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं उतर रहा, तो कई जगहों पर सोमवार को यह 46.5 डिग्री से भी ऊपर पहुंच गया था। हालत यह है कि मौसम विभाग को कल दिल्ली के लोगों को यह सलाह जारी करनी पड़ी कि जितना संभव हो सके, घर के भीतर ही रहें। आज भी राजधानी में लू चलने की चेतावनी दी गई है, बल्कि शुक्रवार तक प्रचंड गरमी का अंदेशा जताया गया है। इस साल हिमाचल, उत्तराखंड जैसे पर्वतीय प्रदेशों में भी राहत नहीं। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में तापमान 41.5 डिग्री से ऊपर जा चुका है। लेकिन इस विकट मौसमी परिस्थिति में लोगों का काम पर निकलना उनकी बाध्यता भी है और आवश्यकता भी। ऐसे में, मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए उन्हें विशेष एहतियात के साथ ही बाहर निकलना चाहिए। भीषण गरमी के इन दिनों में बिजली-पानी की मांग में बढ़ोतरी लाजिमी है। वैसे, सरकारें इसके लिए अब पहले से कार्ययोजना भी तैयार करने लगी हैं, फिर भी मांग और आपूर्ति के बीच अंतर रह ही जाता है। लेकिन महानगरों और बड़े शहरों में, जहां हरित क्षेत्रों की भारी कमी है, बेहद तंग गलियों वाले बडे-बडे. इलाके हैं, और दड़बेनुमा मकानों में लाखों लोग रहते हैं, वहां बिजली की आपूर्ति दशकों पहले एक अनिवार्यता बन चुकी है। इस झुलसाती गरमी में उनकी अपेक्षाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। चरम मौसमी परिस्थितियां अब बिजली-पानी आपूर्ति जैसे विभागों के कौशल और सरकारों की प्रशासनिक क्षमता की भी परीक्षा लेने लगी हैं। पश्चिम में स्थानीय शासन की दक्षता लोकतंत्र की सफलता की एक बड़ी कसौटी बनकर इसीलिए उभरी है। स्मार्ट सिटी बनाने के पीछे यही अवधारणा है। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर दुनिया के बडे. देशों का रवैया किसी से छिपा नहीं है। इसका नतीजा पूरी दुनिया को भोगना पड़ रहा है। जंगलों में आग लगने की बढ़ती घटना हो या ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और समुद्री जल-स्तर बढ़ने के कारण निकट भविष्य में कई इलाकों के वजूद पर खतरा मंडराने की बात, जो बेचैनी विश्व समुदाय में दिखनी चाहिए, वह नदारद है। ऐसे में, अब देशों को अपने तईं रणनीति बनानी होगी कि वे कैसे इन चरम मौसमी स्थितियों का मुकाबला कर सकेंगे। यह संतोष की बात है कि आधुनिक प्रौद्योगिकी की मदद से मौसम विभाग अब कुदरती हलचलों की सटीक भविष्यवाणी करने में सक्षम है। पर चूंकि भारत एक विशाल आबादी और सीमित संसाधनों वाला देश है, इसे अपने संसाधनों के समुचित उपयोग में विशेष दक्षता हासिल करनी होगी। जैसे, देश के कई बड़े शहरों में अब हर वर्ष इन दिनों में भीषण जलसंकट खड़ा हो जाता है। इसलिए स्थानीय स्तर पर बेहतर जल-प्रबंधन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। इसी तरह, अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में भी तेजी से कदम बढ़ाने की जरूरत है। हरित क्षेत्रों के विस्तार और विशालकाय महानगरों के बजाय छोटे-छोटे हरित शहरों के निर्माण में ही भारत का भविष्य है। तभी हम कुदरत की ऐसी बेरुखी झेल सकेंगे।

हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव चलता रहेगा!

ध्यान रहे पिछले ही हफ्ते वैश्विक धार्मिक आजादी को लेकर अमेरिका की सालाना रिपोर्ट जारी हुई, जिसमें भारत में धार्मिक असहिष्णुता बढ़ने की बात कही गई है। भारत ने वैसे तो इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया लेकिन उसे पता है कि बयानों से इसे नहीं बदला जा सकता है। इसलिए मोहन भागवत के बयान या भाजपा की कार्रवाई से कोई ज्यादा गहन गंभीर निष्कर्ष निकालने की जरूरत नहीं है।

कायदे से अब हिंदू-मुस्लिम का सार्वजनिक विमर्श बंद हो जाना चाहिए। मुसलमानों के खिलाफ होने वाली जुबानी और शारीरिक हिंसा थम जानी चाहिए। मुस्लिम धार्मिक प्रतीकों का अपमान बंद हो जाना चाहिए और सबसे ऊपर हर मस्जिद में शिवलिंग की तलाश भी समाप्त हो जानी चाहिए। आखिर हिंदू हितों और हिंदू राष्ट्र के लिए पिछले 97 साल से तपस्या कर रहे संगठन राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने खुद कहा है कि हिंदुओं को हर मस्जिद में शिवलिंग नहीं तलाशना चाहिए। उन्होंने ज्ञानवापी मस्जिद का खासतौर से जिक्र करते हुए कहा कि इसके लिए कोई आंदोलन नहीं होगा। उन्होंने जिस दिन यह बयान दिया उसके थोड़े दिन बाद ही भाजपा ने पैगंबर मोहम्मद साहब के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने वाले अपने दो प्रवक्ताओं को पार्टी से निकाल दिया। भाजपा ने अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में एक बयान भी जारी किया, जिसमें कहा, 'भारत की हजारों वर्षों की यात्रा में हर धर्म पुष्पित व पल्लवित हुआ है। भारतीय जनता पार्टी सर्व पंथ समभाव को मानती है। किसी भी धर्म के पूजनीयों का अपमान भाजपा स्वीकार नहीं करती'।

इसके बाद क्या यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि हिंदू-मुसलमान का सार्वजनिक विमर्श समाप्त हो जाएगा? क्या यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि भाजपा के 'फ्रिंज एलिमेंट' या संघ के किसी अनुषंगी संगठन से जुड़े लोग दूसरे धर्मों के लिए अपमानजनक टिप्पणी नहीं करेंगे, पहनावे से पहचान कर किसी पर हमला नहीं करेंगे या गौरक्षा के नाम पर किसी का 'वध' नहीं करेंगे? क्या यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि टेलीविजन चैनलों पर निरंतर चलने वाली अश्लीलता की हद तक फूहड़ हो चली धार्मिक बहसें बंद हो जाएंगी? कायदे से संघ प्रमुख के बयान और भाजपा की कार्रवाई से ये सारी उम्मीदें की जा सकती हैं। लेकिन असल में इन उम्मीदों का पूरा होना दूसरी कई चीजों पर निर्भर करेगा। अगर भाजपा अपनी कार्रवाई और संघ प्रमुख अपने बयान के प्रति ईमानदार हैं तब तो देर-सबेर स्थितियों में सुधार होगा। लेकिन अगर हाल का पूरा घटनाक्रम किसी मजबूरी में हुआ या किसी बदली हुई रणनीति के तहत किया गया है तब किसी तरह के बदलाव या सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

राजनीति में कोई भी बात या कोई बयान सीधा-सपाट दिखने के बावजूद सरल नहीं होता है। उसकी कई परतें होती हैं, जो बारीक व्याख्या से खुलती हैं या आगे के घटनाक्रम से सामने आती हैं। मिसाल के लिए संघ प्रमुख के बयान को बारीकी से देखें। उन्होंने कहा, 'ज्ञानवापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर विवाद में शामिल सभी लोगों को एक साथ बैठ कर आपसी सहमति से रास्ता निकालना चाहिए। लेकिन चूंकि ऐसा हर बार नहीं होता है और लोग अदालतों का रुख करते हैं। न्याय प्रणाली को पवित्र और सर्वोच्च मानते हुए सभी को अदालत के फैसले को स्वीकार करना चाहिए। यह सच है कि ऐसी जगहों पर हमारी विशेष, प्रतीकात्मक आस्था है, लेकिन हर दिन एक नया मुद्दा नहीं उठाना चाहिए। विवाद क्यों बढ़ाते हैं? ज्ञानवापी के रूप में, हमारी कुछ आस्था है, कुछ परंपराएं हैं, लेकिन शिवलिंग की तलाश क्यों हर मस्जिद में'?

इसमें दो बातें बहुत साफ कही गई हैं। पहली बात तो यह कि ज्ञानवापी-काशी विश्वनाथ में विशेष आस्था है। ऐसी ही विशेष आस्था मथुरा से भी है। काशी और मथुरा दोनों अयोध्या की तरह विशेष आस्था और प्रतीकात्मक महत्व से जुड़े मामले हैं। इसका अर्थात यह निकाला जा सकता है कि मुस्लिम समुदाय इन दोनों जगहों के विवाद में पीछे हटे और जिस तरह अयोध्या पूरी तरह से हिंदुओं की हुई उसी तरह ये दोनों पवित्र स्थान भी पूरी तरह से हिंदुओं के होने चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि काशी भगवान शिव की नगरी है और मथुरा कृष्ण की जन्मभूमि और लीलाभूमि भी है। इसलिए इन दोनों जगहों पर खंडित पूजास्थल उचित नहीं हैं। अगर मुस्लिम संगठन ये दोनों पवित्र स्थल बिना शर्त हिंदुओं को सौंपते हैं तो बाकी जगहों पर संभवतः शिवलिंग तलाशने की जरूरत न पड़े। यह अलग से विचार का मसला है। दूसरी खास बात यह है कि 'न्याय प्रणाली को पवित्र और सर्वोच्च मानते हुए सभी को अदालत के फैसले को स्वीकार करना चाहिए'। सोचें, अयोध्या आंदोलन के समय संघ की ओर से आंदोलन का नेतृत्व कर रहे विश्व हिंदू परिषद के तमाम बड़े नेताओं और भाजपा के नेताओं ने भी कहा था कि अयोध्या आस्था का मामला है और इसमें अदालत की कोई भूमिका नहीं है। तभी अदालत में उत्तर प्रदेश के तब के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की ओर से दिए गए हलफनामे के बावजूद बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया। तब अदालत की कोई भूमिका नहीं थी और अब न्याय प्रणाली पवित्र और सर्वोच्च मान ली गई! संघ प्रमुख ने कहा कि वह अब किसी आंदोलन में शामिल नहीं होगी। सोचें, अगर अपने मनमाफिक फैसले अदालतों से मिलेंगे तो फिर आंदोलन की क्या जरूरत है?

जहां तक अपने प्रवक्ताओं पर भाजपा की कार्रवाई का सवाल है तो यह तात्कालिक परिस्थितियों और वैश्विक दबावों का नतीजा है। पिछले कुछ समय से अल्पसंख्यकों पर जुबानी और शारीरिक हिंसा की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। इसे एमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी तरह से आर्टिकुलेट करके लोगों के सामने रखा। उन्होंने कहा- हमारे हिजाब से दिक्कत है, हमारे पूजा स्थल हमसे छीनी जा रही हैं, हमारी दुकानों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं हम कहां जाएंगे? सोचें, कहीं हिजाब पर पाबंदी है, कहीं हलाल मीट का विवाद है, कहीं नाम पूछ हर लिंचिंग का खतरा है, कहीं मदरसों का नामो-निशान मिटाने का सरकारी ऐलान है, कहीं मस्जिदों में शिवलिंग खोज कर उस पर कब्जे की मुहिम है, कहीं सार्वजनिक रूप से पैगंबर का अपमान है तो ऐसे में मुस्लिम सचमुच क्या करेंगे? निश्चित रूप से सरकार को इसका अंदाजा होगा कि स्थिति विस्फोटक हो रही है। इसलिए भी उबाल आने से पहले पानी डाल कर उसे ठंडा करने का प्रयास किया गया।

दूसरी ओर भाजपा प्रवक्ताओं के बयानों पर अचानक खाड़ी देशों में तीखी प्रतिक्रिया हुई। इनमें ऐसे देश शामिल हैं, जिनके साथ भारत का बहुत गहरा आर्थिक संबंध है। इन देशों में लाखों की संख्या में भारतीय रहते हैं और लाखों करोड़ रुपए इन देशों से भारत आते हैं। एक तरफ इन कारोबारी संबंधों की रक्षा करने का दबाव था तो दूसरी ओर अमेरिका और यूरोप के देशों में भारत को लेकर बन रही धारणा से भी चिंता बढ़ी थी। ध्यान रहे पिछले ही हफ्ते वैश्विक धार्मिक आजादी को लेकर अमेरिका की सालाना रिपोर्ट जारी हुई, जिसमें भारत में धार्मिक असहिष्णुता बढ़ने की बात कही गई है। भारत ने वैसे तो इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया लेकिन उसे पता है कि बयानों से इसे नहीं बदला जा सकता है। इसलिए मोहन भागवत के बयान या भाजपा की कार्रवाई से कोई ज्यादा गहन गंभीर निष्कर्ष निकालने की जरूरत नहीं है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नाबालिक 17 वर्षीय बच्चे को सीमेंट मिक्सर में रस्सी से बांधकर की गई बेरहमी से पिटाई

मुंब्रा पुलिस द्वारा किया गया मामला दर्ज

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। नाबालिक 17 वर्षीय बच्चे को बेरहमी से पीटने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में प्रेस नोट द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गत 31 मई मंगलवार की रात दो बजे से 4.30 बजे के दरमियान एमएमवैली गेट नंबर दो कौसा मुंब्रा थाने मैं नाबालिक 17 वर्षीय बच्चे के साथ कैलाश बाबूलाल शर्मा, जमीर जाकिर शेख और अन्य 8 से 9 लोगों ने यही बच्चे पर चोरी का आरोप लगाया और चोरी कुबूल करने के लिए सीमेंट मिक्सर मैं रस्सी से बांधकर सर हाथ पैर पीठ पर लकड़ी से बाबू से बेरहमी से पिटाई की और जान से मारने की कोशिश की जब इसका वीडियो वायरल हो गया तभी मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री अशोक कदलग ने सहायक पुलिस निरीक्षक डिटेक्शन ब्रांच की कृपाली बोरसे और स्टाफ को यह पूरे मामले का संज्ञान लेने को कहा और

तत्काल आरोपियों पर कार्रवाई करने के आदेश जारी कर दिए मामले की गंभीरता को समझते हुए कृपाली बोरसे और उनके स्टाफ के साथ तत्काल कार्रवाई करने के लिए निकल पड़ी गत और मामले की छानबीन करते हुए नाबालिक 17 वर्षीय बच्ची की मां को ढूंढ निकाला गत 4 मई शनिवार को नाबालिक 17 वर्षीय बच्चे की मां रेहाना जुम्मन मंसूरी रहवासी रूम नंबर 140 नसरुल्ला चाल के करीब अंबेडकर नगर श्रीलंका कौसा मुंब्रा की शिकायत पर गुनाह रजिः क्र 553/2022 भारतीय दंड संहिता कलम 307, 342, 331, 504, 506,143, 149, 34, बाल न्याय संरक्षण अधिनियम कानून 2015 के के तहत आरोपी कैलाश बाबूलाल शर्मा और दूसरा आरोपी जामीर जाकिर शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है आगे की छानबीन पुलिस के आला अधिकारी के मार्गदर्शन में की जा रही है।

पूर्व बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी को लेकर ऑल इंडिया इमाम काउंसिल द्वारा किया गया प्रेस कॉन्फ्रेंस

22 जून के भीतर मुंब्रा पुलिस द्वारा नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी नहीं करने पर ऑल इंडिया इमाम काउंसिल और मुस्लिम समुदाय, समाज सेवक, एनजीओ, नेता, उतरेंगे सड़कों पर और नूपुर शर्मा को गिरफ्तार करने के लिए किया जाएगा धरना प्रदर्शन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 8 मई बुधवार दोपहर को साहिल होटल में ऑल इंडिया इमाम काउंसिल द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया इस प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया इमाम के अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल बासित ने पत्रकारों को बताया कि पूर्व बीजेपी प्रवक्ता नुपुर शर्मा पर मुंब्रा पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज कर ली गई है लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं की गई उन्होंने बताया मुंब्रा पुलिस द्वारा यह बताया जा रहा है कि हम लोगों की तरफ से नोटिस भेज दिया गया है और 22 जून के भीतर बयान दर्ज करने के लिए कहा गया है मुफ्ती बासित ने बताया क्या आखिर क्यों इतना वक्त एक आरोपी को दिया जा रहा है जिससे देश विदेश का मुसलमान उनके द्वारा दिए गए हमारे नबी हुजूर करीम सल्लल्लाहो ताला अलेही वसल्लम की शान में दिया गया निंदनीय बयान से मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को जबरदस्त ठेस पहुंचाने का काम किया गया है और उन्होंने बताया दिल्ली के अंदर नूपुर शर्मा को वीआईपी सुरक्षा

प्रदान की गई है दरसल नूपुर शर्मा द्वारा जो निंदनीय बयानबाजी की गई है उसकी आलोचना देश और दुनिया में की जा रही है और उसको दिल्ली पुलिस द्वारा वीआईपी सुरक्षा दी गई इस पर हम लोगों की आपत्ति है आखिर उसने मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया है और उसके इस निंदनीय बयान के कारण बीजेपी पार्टी से भी उनको निलंबित कर दिया गया है और उसने अपना अपराध को कुबूल भी किया है और खेद प्रकट भी किया है लेकिन बड़े अफसोस की बात है पूरे देश में कई जगह पर नूपुर शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है लेकिन अब तक गिरफ्तारी क्यों नहीं की जा रही है यह बात समझ से परे है उन्होंने सरकार को भी चेताया है जो भी व्यक्ति इस तरह से किसी भी धर्म के प्रति अपशब्द बोलता है उस व्यक्ति के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए उन्होंने बताया कि विदेशों में देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ लोगों में आक्रोश नजर आ रहा है क्योंकि उन्हीं की पार्टी के प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने हमारे नबी हुजूर करीम सल्लल्लाहो ताला अलेही वसल्लम की शान में गुस्ताखी की थी लेकिन देश के पंतप्रधान चुप्पी के कारण मुस्लिम समुदाय में आक्रोश उत्पन्न हो गया है उन्होंने देश की केंद्र और राज्य सरकारी एजेंसी से गुजारिश की है कि नूपुर शर्मा को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए नुपर शर्मा की देरी से गिरफ्तारी को मुस्लिम समुदाय कदापि बर्दाश्त नहीं करेगा और हम चाहते हैं कि हमारा महान राष्ट्र विश्व शांति सदैव लोकतंत्र और विकास में सबसे आगे रहे इन सभी चरणों को तभी प्राप्त किया जा सकता है जब भारत में एक समृद्धि और शांति पूर्ण वातावरण हो हम अपनी सरकार से इन लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम करने और विभाजन कार्य राजनीति को त्याग करने का आग्रह करते हैं जो हमारा महान राष्ट्र के लिए अच्छा नहीं होगा उन्होंने कहा अगर मुंब्रा पुलिस ने 22 जून के भीतर नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी नहीं की गई तो ऑल इंडिया इमाम काउंसिल की तरफ से तमाम मुस्लिम समुदाय एनजीओ समाज सेवक और तमाम नेता सड़कों पर नजर आएंगे और पैदल मार्च कर कलेक्टर कार्यालय तक करेंगे धरना प्रदर्शन ऑल इंडिया इमाम काउंसिल में सुन्नी इमाम मौलाना मदनी,पीएफआई के अध्यक्ष अब्दुल मतीन शेकानी और अन्य ईमामू की उपस्थिति में यह प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

फरार शूटर सौरभ महाकाल पुणे में गिरफ्तार

पुणे ग्रामीण पुलिस ने बुधार को सौरभ महाकाल को गिरफ्तार किया। जाधव अब भी फरार है। पुणे ग्रामीण पुलिस के मुताबिक, सिद्धेश कांबले उर्फ सौरभ उर्फ महाकाल को नारायणगांव से गिरफ्तार किया गया है। सिद्धेश कांबले पर पहले भी मकोका के तहत आरोप लगाए गए थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां उसे 20 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

महाराष्ट्र बोर्ड का 12वीं का रिजल्ट घोषित

हर बार की तरह इस बार भी कोंकण विभाग ने बाजी मारी है। कोंकण इलाके में 97.21% छात्रों ने सफलता हासिल की है। जबकि राज्य में सबसे कम मुंबई के 90.91% छात्र पास हुए हैं। महाराष्ट्र में बारहवीं की परीक्षा के लिए 14 85, 191 स्टूडेंट्स रजिस्टर हुए थे। जिसमें से 6,68,003 लड़कियां थीं। जबकि लड़कों की संख्या 8,17,188 थी। इस बार पास होने वाले लड़कों का प्रतिशत 93.29 है। जबकि लड़कियों का प्रतिशत 95. 34 है। मुंबई का पासिंग पर्सेंटेज सबसे कम है। वहीं कोंकण डिवीजन सबसे आगे है। इस बार पुणे के पासिंग प्रतिशत 93.61, नागपुर का 96.52 प्रतिशत, औरंगबाद का 94.97 प्रतिशत, मुंबई का 90.91प्रतिशत, कोल्हापुर का 95.07 प्रतिशत, अमरावती 96. 34 प्रतिशत, नासिक का 95. 03 प्रतिशत, लातूर का 95.25 प्रतिशत और कोंकण का 97. 21प्रतिशत है।

मुंबई का अगला सीपी कौन?

संजय वर्बे से लेकर तमाम अन्य पुलिस कमिश्नर को अतीत में एक्सटेंशन मिल चुका है। अमूमन 3 महीने के एक्सटेंशन की सिफारिश का अधिकार राज्य सरकार के पास होता है और 3 महीने का केंद्र सरकार के पास। लेकिन, आईपीएस और आईएएस सिविल सर्विस से जुड़े होते हैं, जो केंद्र सरकार के अंडर में आती है, इसलिए किसी अधिकारी के एक्सटेंशन की राज्य सरकार की सिफारिश तभी अमल में आती है, जब केंद्र सरकार की तरफ से उस पर सिग्नेचर हों। यदि पांडेय को एक्सटेंशन नहीं मिला, तो सवाल यह है कि मुंबई का अगला सीपी कौन होगा? यदि पिछले दो सीपी को उदाहरण के तौर पर लिया जाए, तो रजनीश सेठ का नाम पहले नंबर पर आता है। रजनीश डीजीपी हैं। पांडेय भी डीजीपी से सीपी बने थे। उनसे पहले हेमंत नगराले मुंबई के सीपी थे। नगराले भी मुंबई पुलिस कमिश्नर से पहले महाराष्ट्र के डीजीपी थे। रजनीश के बाद डीजी हाउसिंग विवेक फणसलकर का नाम मुंबई सीपी की दौड़ में चल रहा है। फणसलकर ठाणे के सीपी और महाराष्ट्र एटीएस चीफ भी रहे हैं। डॉक्टर भूषण उपाध्याय भी डीजी रैंक के अधिकारी हैं। वर्तमान में होमगार्ड के चीफ हैं। वह लंबे समय तक नागपुर के पुलिस कमिश्नर भी रहे हैं। लीगल ऐंड टेक्निकल के डायरेक्टर जनरल संदीप बिश्नोई की पोस्ट भी डीजी रैंक की है, इसलिए मुंबई सीपी के पद के लिए महाराष्ट्र सरकार की ओर से उनके नाम पर भी विचार किया जाएगा।

'मुझे धमकी नहीं मिली'

बांद्रा पुलिस को बयान दर्ज कराने के बाद सलमान अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए हैदराबाद निकल गए हैं। यहां उनका 25 दिन का शेड्यूल है। सलमान के हैदराबाद पहुंचने के पहले बॉडीगार्ड शेरा और उनकी टीम पहुंच गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बांद्रा पुलिस ने सलमान से गैंगस्टर गोल्डी बरार और लॉरेंस के बारे में पूछा। इस पर सलमान ने कहा, धमकी वाले खत को लेकर मुझे किसी पर शक नहीं है। आजकल मेरी किसी से दुश्मनी भी नहीं है। लॉरेंस के बारे में 2018 में सुना था, क्योंकि तब उसने मुझे धमकी दी थी। लेकिन मैं गोल्डी और लॉरेंस को जानता नहीं हूं। धमकी के बारे में बात करते हुए उन्होंने पुलिस को कहा- हाल-फिलहाल में मेरा किसी से झगड़ा नहीं हुआ और न ही बहस हुई है। मुझे धमकी भरा कोई मैसेज या कॉल भी नहीं आया। खत भी मुझे नहीं मेरे पिताजी को मिला। वह भी तब जब वह सुबह टहलने निकले थे। मुंबई पुलिस ने पड़ताल तेज कर दी है। 8 टीमें लगातार इस मामले की कड़ियों को खंगालने में जुटी हुई हैं।

मुंबई की सड़कों पर फिर दिखेंगे क्लीन-अप मार्शल!

क्लीन अप मार्शल समेत अन्य माध्यमों के जरिए मास्क न पहले वालों से करीब 100 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला गया था। कचरा विभाग द्वारा क्लीन-अप मार्शल एक साल के लिए मुहैया कराने के लिए एजेंसी नियुक्ति का प्रस्ताव तैयार किया गया है। विभाग से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक, अभी हमें प्रशासनिक मंजूरी का इंतजार है। अनुमति मिलते ही हम प्रक्रिया शुरू करेंगे। सब कुछ ठीक रहा तो एक महीने में एजेंसी काम करने लगेगी। क्लीन-अप मार्शल को लेकर अक्सर विवाद होता रहा है। कई बार इनकी मनमानी की शिकायतें आती हैं, तो कई बार अवैध मार्शल भी पकड़ में आते रहे हैं।

डॉक्टर बिटिया बन पिता के सपनो को किया साकार

ग्राम पित्तुपुर जनपद जौनपुर के रहने वाले सूबेदार उपाध्याय के छोटे सुपुत्र संजीव उपाध्याय की बेटी कीर्ति उपाध्याय बनी डॉक्टर

संवाददाता/अजय उपाध्याय

मुंबई। बेटा अगर दीपक है तो बेटी बाती यह सिर्फ कहने की बात नहीं बल्कि हकीकत भी है। बेटा और बेटी को समान मानकर पढ़ा-लिखाकर कुछ करने के लिए प्रेरित करने वाले माता-पिता के सपनों को बेटियां साकार कर रही हैं। अपनी मेहनत और लगन के दम पर परिवार का नाम रोशन कर रही हैं। कुछ ऐसा ही एक चेम्बूर के कस्बे की रहने वाली बेटी ने कर दिखाया। पिता के सपनों को साकार करते हुए डॉक्टर बिटिया कहलाने लगी। आज माता-पिता अपनी बेटी को नाम से नहीं बल्कि डाक्टर बिटिया कहकर पुकारेगें और कहेंगे कि यह तो हमारी शान है। जी हां, हम बात कर रहे हैं पित्तुपुर गांव के रहनेवाले मूल निवासी सूबेदार उपाध्याय के छोटे सुपुत्र संजीव उपाध्याय की छोटी बेटी कीर्ति उपाध्याय की उन्होंने बेटा और बेटी में कोई भेदभाव नहीं किया। बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए जी-जान लगा दिया। नतीजा बेटी चिकित्सक बन गई। पिता के सपने को साकार करने के लिए कीर्ति उपाध्याय ने कोई कसर नहीं छोड़ी। बेटी की सफलता से पूरा परिवार गदगद है। वहीं अब बिटिया दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गयी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

शराब का ठेका हटाने की मांग को लेकर दिया धरना

शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा धरना स्थल पर रही मौजूद

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अजमेर, ब्यावर। शराब की दुकान को हटाने के सम्बंध में धरना जारी शराब की दुकान से महज 80 मीटर पर है राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शराबबंदी को लेकर जमकर नारेबाजी की सैकड़ो की तादाद में छात्र छात्राए व आम आवाम धरना स्थल पर मौजूद रही छाबड़ा ने कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना गूंगी, बैहरी हो चुकी है सरकार, शिक्षा से ज्यादा शराब से होने वाले राजस्व को दे रही महत्व आईएएस राहुल जैन से मिलकर दिया ज्ञापन, बृजेश साहू, पवन, मनजीत हुड्डा, डॉ हरीश आदि सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयश्रीताई शेळके ने 'शाहू फुले अंबेडकर फाउंडेशन' की ओर से 12 विधवाओं को बकरियों का नि:शुल्क वितरण किया

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। कोविड-19 मारी की वजह से कई परिवार तबाह हो गए हैं। वहीं कहीं महिलाएं विधवा हो गई। तो कहीं बच्चों के सिर से कोरोना ने माँ-बाप का साया छीन लिया। वहीं कुछ बच्चे अनाथ हो गए। इनके विभिन्न क्षेत्रों से सहायता प्रदान करने के लिए कोरोना एकल महिला पुनर्वास समिति की सराहना की जानी चाहिए। इस तरह का प्रतिपादन दिशा महिला फेडरेशन की अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस प्रदेश सचिव एड. जयश्रीताई शेळके ने 6 जून, को खामगांव तहसील के घारोड में किया। पुणे की संध्या गोखले की पहल के तहत, शाहू-फुले-आंबेडकर फाउंडेशन ने घारोड के वतिन खामगांव तालुका में कोरोना में अपने पति को खोने वाली 12 विधवा महिलाओं के परिवारों को मुफ्त बकरियां वितरित कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता खामगांव तालुका मिशन वात्सल्य समन्वय समिति सचिव और एकीकृत बाल विकास परियोजना

राजेश वाघ कोरोना एकल महिला पुनर्वास समिति जिला समन्वयक और मिशन वात्सल्य समन्वय समिति सदस्य सचिन ठाकरे, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस राज्य सचिव धनंजय देशमुख, मिशन वात्सल्य समन्वय समिति के सदस्य वैभव ठाकरे ने की। इस अवसर पर राकांपा कांग्रेस युवा जिलाध्यक्ष राहुल बापू देशमुख, पशुधन चिकित्सा अधिकारी शिंदे, पशुधन पर्यवेक्षक शेनगोकर, उप पंच भीकाजी इंगोले, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता बाबूराव इंगोले, मो सैय्यद भाई उपस्थित थे। आगे बोलते हुए, एड. श्रीमती जयश्रीताई शेल्के ने कहा कि -फुले-आंबेडकर फाउंडेशन कोविड-19 महामारी में जिस परिवार में जिस व्यक्ति की मृत्यु हुई हो। इन परिवारों को भारी समर्थन मिल रहा है क्योंकि वे ऐसे परिवारों की मदद के लिए हमेशा सबसे आगे रहते हैं। इन बकरियों से परिवार को आर्थिक रूप से काफी मदद मिलेगी। इसलिए उन्होंने समाज के कई उदार लोगों से ऐसे कार्यों में आगे आने की अपील की।

सांसद नवनीत राणा और रवि राणा के खिलाफ चार्जशीट दायर, 16 जून को होगी अगली सुनवाई

संवाददाता

मुंबई। हनुमान चालीसा विवाद को लेकर सुर्खियों में आए सांसद नवनीत राणा और रवि राणा मामले में पुलिस ने चार्जशीट दायर कर दी है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 16 जून को होगी। दोनों को बोरीवली कोर्ट में आज पेश होना था। हालांकि, कोर्ट ने आज उन्होंने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी है। पुलिस ने दंपती के खिलाफ आईपीसी की धारा 353 के तहत दर्ज किए गए केस में चार्जशीट दायर की है। नवनीत राणा व उनके विधायक पति रवि राना को 23 अप्रैल को उनके मुंबई स्थित निवास से उस वक्त गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने मुंबई के बांदा में सीएम व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का एलान किया था। राणा दंपती के खिलाफ देशद्रोह व अन्य धाराओं में दो केस दर्ज किए गए थे। राणा दंपती को 4 मई को कोर्ट ने जमानत दी थी और 5 मई को वे जेल से रिहा किए गए थे।

महाराष्ट्र के शीर्ष अधिकारी तलब: लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने महाराष्ट्र के अमरावती से सांसद नवनीत राणा के उत्पीड़न के मामले में महाराष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों को तलब किया है। राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और मुंबई के पुलिस आयुक्त को 15 जून को समिति के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है। सांसद राणा ने गत दिनों मुंबई में गिरफ्तारी और जेल में रखे जाने के दौरान अपने उत्पीड़न की शिकायत विशेषाधिकार समिति से की थी। इसी मामले में महाराष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों को समिति ने तलब किया है। भाजपा सांसद सुनील सिंह के अध्यक्षता वाली समिति अगले सप्ताह मामले की सुनवाई करेगी। सांसद राणा ने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार की लोकसभा स्पीकर से शिकायत की थी। स्पीकर ने यह मामला विशेषाधिकार समिति को सौंप दिया था।

मुंबई: आज से हेलमेट पहने बिना दोपहिया वाहन पर पीछे बैठे लोगों के खिलाफ होगी कार्रवाई

मुंबई। मुंबई में यातायात पुलिस चौकियां आज यानी (नौ जून) से हेलमेट नहीं पहनने पर दोपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ पीछे बैठे लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई शुरू करेंगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुंबई पुलिस ने हाल में एक अधिसूचना जारी करके दोपहिया वाहन पर पीछे बैठे लोगों के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया है। पुलिस ने इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कारवाई की चेतावनी दी थी। पुलिस उपायुक्त (यातायात) आर. रोशन ने कहा, यदि दोपहिया वाहन चालक और उनके पीछे बैठने वाला व्यक्ति हेलमेट पहने बिना पाए जाएंगे, तो उनके खिलाफ बृहस्पतिवार से कार्रवाई की जाएगी। हम उनका लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित करेंगे और उन पर 500 रुपये का जुर्माना लगाएंगे। सभी 50 यातायात चौकियों से उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस चालान काटेगी और लोगों से कानून का पालन करने को कहेगी। मुंबई के पुलिस आयुक्त संजय पांडेय ने सोमवार को मुंबईवासियों से हेलमेट संबंधी नियम का पालन करने का आग्रह किया था और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

मां ऐसी भी होती है... बच्ची ने होमवर्क नहीं किया तो हाथ-पैर बांधकर तपती दोपहरी में छत पर छोड़ दिया, तड़पती रही मासूम

संवाददाता

नई दिल्ली। होमवर्क न करने से नाराज मां ने मासूम बच्ची को ऐसी सजा दी, जिसे देखकर किसी की भी रूह कांप जाए। सोशल मीडिया पर मां की इस हैवानियत का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मां ने बच्ची को तपती दोपहर में हाथ-पैर बांधकर पक्की छत पर लिटा दिया है। बच्ची सुलगती हुई छत पर तड़पती रही। वीडियो में साफ दिख रहा था कि बच्ची तड़प रही है और चीख रही है। वो मां से दोबारा ऐसा गुनाह न करने की वादा भी कर रही है। मामला दिल्ली के तूकमीर पुर गली नंबर 2 का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस बच्ची के घर पहुंची तो मां ने बताया

कि बच्ची ने होमवर्क नहीं किया था। इसलिए हमने उसे 5-7 मिनट के लिए हाथ-पैर रस्सी से बांधकर छत पर लिटा दिया था, जिससे वह अपना होमवर्क रोज समय से करे। कुछ देर बाद हम उसके हाथ-पैर खोलकर नीचे ले आए थे। जब मां ने बच्ची को सजा देने के लिए छत पर लिटाया तो वह जलन से चीख रही थी। बच्ची का रोना सुनकर पड़ोसियों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि जब बच्ची की पीठ छत की गर्मी से जलती है तो वह अपनी कमर को ऊपर उठाती है, वह कभी दाएं तो कभी बाएं करवटें बदलती है। वीडियो देखकर यूजर्स बच्ची के लिए परेशान हो रहे हैं और मां की इस हरकत पर सवाल उठा रहे हैं।

मुंबई: सोशल मीडिया पर दोस्ती कर महिला से बलात्कार के आरोप में मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्वी उपनगर चेंबूर में सोशल मीडिया पर दोस्ती करके 26 वर्षीय एक महिला से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। तिलक नगर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना इस सप्ताह की शुरूआत में हुई, जब 35 वर्षीय आरोपी कथित तौर पर पीड़िता से मिला और उसे चेंबूर में एक अज्ञात स्थान पर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने कहा कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर पीड़िता से दोस्ती गांठी थी और उनकी ऑनलाइन चैट के दौरान पीड़िता ने आरोपी को बताया था कि वह बहुत कर्ज में है और उसे चुकाने के लिए मदद की जरूरत है। अधिकारी ने कहा कि कांबले नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर पीड़िता से कहा था कि वह उसे कर्ज चुकाने में मदद करेगा और कथित दुष्कर्म के बाद आरोपी ने पीड़िता का फोन उठाना बंद कर दिया था। उन्होंने कहा कि एक शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (बलात्कार) और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

पंकजा मुंडे का पत्ता कटा, नहीं मिला विधान परिषद टिकट, बीजेपी ने जारी की पांच उम्मीदवारों की लिस्ट

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में बीजेपी ने विधान परिषद चुनाव के लिए अपने 5 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। हालांकि इस लिस्ट में बीजेपी की कद्दावर नेता और दिवंगत गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे का नाम नहीं है। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले पंकजा मुंडे ने विधान परिषद चुनाव को लेकर यह बयान दिया था कि पार्टी जो भी फैसला लेगी वह उन्हें मंजूर होगा। तब यह कयास लगाए जा रहे थे कि संभवत पार्टी इस बार पंकजा को विधान परिषद भेजेगी। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में भी प्रीतम मुंडे को लिए की खबरें चल रही थीं। उस

समय भी प्रीतम मुंडे का नाम दरकिनार करते हुए औरंगाबाद के डॉ. भागवत कराड को मौका दिया गया था। कहा जा रहा था कि दोनों ही बहनें पार्टी द्वारा की उपेक्षा से नाराज हैं। संभवतः किसी पार्टी का गठन भी कर सकती हैं। हालांकि बाद में खुद पंकजा मुंडे ने इसे कोरी अफवाह बताया था।

महाराष्ट्र बीजेपी की लिस्ट में कौन?

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में बीजेपी की तरफ से जिन उम्मीदवारों को मौका दिया गया है। उनमें विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष प्रवीण दरेकर, रामशिंदे, श्रीकांत भारतीय उमा खापरे और प्रसाद लाड के नाम शामिल हैं। ओबीसी समाज से राम शिंदे या पंकजा मुंडे को टिकट मिलने की संभावना थी। जिसमें से पंकजा का पत्ता कट गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईडी से मांगा 3 हफ्ते का समय, आज होना था पेश, बुलाई अहम बैठक

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के सामने पेश नहीं हो सकती हैं। सोनिया गांधी ने ईडी से 3 हफ्ते का वक्त मांगा है। उन्होंने एजेंसी से मांगा है क्योंकि वह अभी तक कोरोनो वायरस बीमारी से उबर नहीं पाई हैं। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 13 जून को ईडी के सामने पेश होंगे। कांग्रेस के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। दोनों ईडी के सामने पेश होंगे। कांग्रेस पार्टी प्रवक्ता पवन खेरा ने कहा कि हमारी पार्टी कानून का पालन कर रही है। हम नियमों का पालन करते हैं। उन्हें बुलाया जाएगा तो वे उस जगह जाएंगे। हमारे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। पवन खेरा ने कहा कि हम भारतीय जनता पार्टी की तरह नहीं हैं। हमें याद है कि 2002 से 2013 के बीच अमित शाह भागने की कोशिश कर रहे थे। हम किसी चीज से नहीं डरते हैं। वो लोग नियम तोड़ते हैं और नोटिस भेजते हैं। उन्हें पता चल जाएगा कि वे किसके बारे में बात कर रहे हैं। ईडी ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को 9 जून को पेश होने का समन जारी किया था। खबर के मुताबिक, कांग्रेस ने गुरुवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक बुलाई है। इस बैठक में एआईसीसी महासचिवों और पीसीसी अध्यक्षों को शामिल होना है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों के खिलाफ की जाएगी सख्त कानूनी कार्रवाही, काटे जाएंगे चालान: पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त महोदय ने अपने कार्यालय में मीटिंग के दौरान सभी डीसीपी, एसीपी और सभी थाना प्रबंधक को सार्वजनिक स्थान पर धुम्रपान करने वालो के खिलाफ कोटपा एक्ट 2003 की अधिनियम की धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही के दिशा निर्देश दिए है। जिसमें सार्वजनिक स्थान अस्पताल भवन, स्वास्थ्य संस्थान, मनोरंजन केंद्र, रेस्तरां, होटल, सरकारी कार्यालय, न्यायालय भवन, शैक्षिक संस्थान, पुस्तकालय, सार्वजनिक वाहन, स्टेडियम, रेलवे स्टेडियम, बस स्टॉप, कार्यस्थल, शॉपिंग मॉल, सिनेमा हॉल, जलपान कक्ष, पब, बार, हवाई अडडा के लांउज इत्यादि। पुलिस आयुक्त ने कहा कि तबांकू का सार्वजनिक स्थान पर प्रयोग करने पर व्यक्ति समाज में नकारात्मकता को बढ़ावा देते हैं। लोगों को भी गलत धंधों में भागीदार बना लेते हैं जिसकी वजह से समाज में अपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है इसलिए धुम्रपान निषेध के नियमों की अवमानना करने वालों के अधिक चालान काटे जाएं।किशोरावस्था में नौजवान युवक शौकिया तौर पर नशा करना शुरू करते हैं परंतु धीरे-धीरे उन्हें इसकी लत पड़ जाती है जिसके पश्चात इसे छोड़ पाना उनके लिए बहुत मुश्किल कार्य हो जाता है। नशा इंसान के स्वास्थ्य के ऊपर बहुत बुरा प्रभाव डालता है जिसकी वजह से उन्हें गंभीर बीमारियां जकड़ लेती हैं और इंसान को अंदर से खोखला कर देती हैं। स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी व्यक्ति पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। जैसे-जैसे मनुष्य इसका आदी होता जाता है उसकी नशे की डोज भी बढ़ती जाती है। कुछ समय तक तो व्यक्ति इधर उधर से पैसे

लेकर नशा खरीद लेता है परंतु जब उसे हर तरफ से पैसे मिलने बंद हो जाते हैं तो वह चोरी या लूट की वारदातों को अंजाम देना शुरू कर देता है जो उसे अपराध की दुनिया में धकेल देता है। अपराध का यह दलदल उसे लगातार अपनी तरफ खींचता जाता है जिसकी वजह से व्यक्ति चोरी या लूट से होते हुए अपहरण, फिरौती तथा हत्या की वारदातों में भी संलिप्त हो जाता है। धीरे-धीरे करते करके वह अपने परिवार तथा समाज की नजरों में गिरता चला जाता है और फिर कानून के हाथ उसके गिरेबान तक पहुंच जाते हैं जिसके पश्चात उसे जेल के पिंजरे में कैद होना पड़ता है। जब तक इंसान को नशे द्वारा हुए नुकसान के बारे में एहसास होता है तब तक वह अपना सब कुछ गंवा चुका होता है और अंत में पछताने के अलावा उसके हाथ कुछ नहीं लगता। अतः नौजवान पीढ़ी को नशे के इस चंगुल से बचना चाहिए और अपने साथियों को भी इससे बचाने में उनकी मदद करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थान पर धुम्रपान करने वालो के खिलाफ कोटपा एक्ट धारा के तहत 200 रु जुर्माना की सजा दी जाएगी। जो कोई सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट या तंबाकू का उत्पाद करता है कि उसको कोटपा एक्ट की धारा 5 के तहत प्रथम अपराध में 1000 रुपये में जुर्माना, 2 वर्ष की सजा या दोनों की सजा यदि दोबारा अपराध करता है तो 5000 रुपये जुर्माना व 5 वर्ष के कारावास की सजा या दोनों की सजा दी जाएगी। जो कोई जिसकी उम्र 18 वर्ष से कम है तंबाकू के उत्पादो की बिक्री सार्वजनिक स्थान पर अनुमति न होने भी बिक्री करता है तो उसको कोटपा एक्ट की धारा 6 के अन्तर्गत 200 रुपये जुमार्ना लगाया जाएगा। कोटपा एक्ट की धारा 7 के तहत सिगरेट अन्य तंबाकू उत्पादन जिस पर स्वास्थ्य चेतावनी नही दी हुई हो तो वितरक पर प्रथम बार के अपराध में 10000 जुर्माना व 1 वर्ष की सजा या दोनों और यदि दूसरी बार अपराध करता है तो उसको 3000 रुपये जुर्माना व 2 वर्ष की करावास की सजा दी जाएगी।

रामपुर में व्यापारी समाज के हित के लिए औद्योगिक जोन स्थापित कराने हेतु उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने बिगुल फूंका

संवाददाता/सुबहान अली

रामपुर। इस अवसर पर व्यापार मंडल ने मुख्य कार्यालय तिलक नगर कॉलोनी पर एक मीटिंग आयोजित की। इस अवसर पर व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी ने कहा कि जनपद रामपुर की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के क्रम में और बेरोजगारी को पूर्ण रूप से समाप्त कराने के क्रम में व्यापार मंडल द्वारा स्वार व बिलासपुर तहसील से जुड़े हुए वन विभाग की 2200 हेक्टेयर भूमि पर एक विशेष औद्योगिक जोन की स्थापना कराई जाएगी। जिसके अंतर्गत 1000 बड़े उद्योग इस औद्योगिक

जोन में देश व प्रदेश से बुलवाकर स्थापित कराए जाएंगे। जिससे जनपद रामपुर की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा व बेरोजगारी की समस्या को भी दूर करवाया जाएगा। इस संबंध में व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री के कार्यालय को भी अवगत कराया है जिसके संबंध में 26 मई 2020 को उपायुक्त उद्योग विभाग की ओर से उप जिलाधिकारी स्वार व उप जिलाअधिकारी बिलासपुर को औद्योगिक जोन की भूमि के सीमांकन के लिए पत्र भी जारी कर औद्योगिक जोन शुरू करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा, सरदार रविंद्र सिंह टोनी, सलविंदर विराट, विजय कुमार अग्रवाल, रामनिवास पाल, हंसराज अरोड़ा, मैंराज हुसैन, महफूज हुसैन, सुदेश यादव, सरदार मनजीत सिंह सिंपल, सतपाल सिंह टीटू, अतुल शर्मा, दिलशाद अहमद, नजमी खान उदय शर्मा, योगेश अग्रवाल, देवकीनंदन यादव, कपिल अरोड़ा, इमरान, महबूब अली आदि उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी अमित गुप्ता उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला रामपुर उत्तर प्रदेश।

शेख सैयद मुगल पठान समाज की प्रतिभाओ का होगा सम्मान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति के जिला प्रवक्ता नदीम बक्ष ने बताया की आज जिला अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष के नेतृत्व मे सिटी कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे समाज मे काफी समय से नि स्वार्थ अपनी सेवाये दे रहे सभी सदस्य जो की सामुहिक विवाह सम्मेलन, मेडीकल शिविर,बेटी बचाओ बेटी पढाओ, शिक्षा के क्षेत्र मे जागरूकता व भामाशाह कार्ड योजना शिविर, आंखो की जांचो का शिविर, रक्त दान शिविर व अन्य सभी समिति के पैमानो पर आयोजित होने वाले सभी कार्य मे अपनी अहम भुमिका निभाने वाले सभी प्रतिभाओ को समिति प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करेगी।

बैठक मे यह रहे मौजूदः उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, सिकन्दर खान पठान, इंसाफ अली भाईजान, नियामत पठान, फिरोज खान, रमजान अली पप्पू, उस्ताद अ वहीद खान, नदीम बक्ष, अशरफ पठान, उस्ताद शफी, मोलाना अफजल, अ अजीज पठान, इमदाद अली शेरू भाई, सलीम कादरी, मोहम्मद रईस, अमजद बक्ष, अकबर जे के, अनवर हुसेन, मेहबूब भूरा भाई, रईस बक्ष, शोएब खान, नबी हुसैन, मोहम्मद जावेद, आमीन खान, माजिद खान, साकिर शेख, मोहसीन शेख, एजाज मोहम्मद व सभी पदाधिकारी व सदस्य भी उपस्थित थे।

विदेश से भी जुड़े कानपुर हिंसा के पीछे साजिश के तार: मिले करोड़ों रुपए

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। कानपुर में हुई सांप्रदायिक हिंसा की साजिश के तार विदेशों से भी जुड़े होने का दावा किया गया है। यहां बीते शुक्रवार को हुई हिंसा के मामले में अब तक की गई छानबीन के मुताबिक घटना के सूत्रधार और मुख्य आरोपी जेल भेजे जा चुके जफर हयात हाशमी को विदेशों से भी करोड़ों रुपए भेजे गए जिन्हें बाद में बैंक खाते से निकाला भी गया। इसीलिए जांच एजेंसियां उसके सभी बैंक खातों की गहराई से जांच भी कर रही हैं। विदेशों से भेजे गए धन का उपयोग कानपुर में सांप्रदायिक उपद्रव में किया गया। कुल मिलाकर शादी घटना को एक सोची समझी साजिश के तहत चाहिए अंजाम दिया गया है जिसके बारे में लगातार गहन जांच पड़ताल भी जारी है मामले में अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार छापे भी मारे जा रहे हैं साथ ही साथ ही साथ ही बवाल करने वालों का मनोबल तोड़ने और जल्द गिरफ्तारी के लिए उनकी पहचान के इरादे से पोस्टर भी लगाए जा चुके हैं। कुल मिलाकर कानपुर में हुई सांप्रदायिक हिंसा का मामला बहुत साजिश पूर्ण है और उसके तार भी इतने गहरे हैं जिसके बारे में ठोस जानकारी हासिल करने में जांच एजेंसियों को भी पसीना आ रहा है। कुल मिलाकर अब तक की जांच में उपद्रव को लेकर जिस साजिश की आशंका व्यक्त की जा थी, वह पूर्ण रूप से सच के कहीं भी नजर आ रही है। इस बारे में सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस की अब तक की जांच में सनसनीखेज पर्दाफाश हुआ है। जिसमें अभी तक की मुख्य भूमिका हयात जफर हाशमी की ही प्रकाश में आई है सूत्रों के मुताबिक उसने ही उपद्रव के लिए मैदान तैयार किया। उसके साथ इसमें सबसे बड़ा रोल शत्रु संपत्ति पर कब्जा जमाने वाले माफियाओं के साथ ही डी -2 गैंग का भी है। पुलिस की अब तक की छानबीन के मुताबिक बवाल के लिए भीड़ का सारांश जाम शत्रु संपत्ति पर कब्जा जमाने वाले माफियाओं की ओर से ही किया गया था जिसमें डीटू गैंग का भी विशेष सहयोग रहा। इसी के साथ अब तक की छानबीन से निकले निष्कर्ष के मुताबिक पीएफआइ और एआइएमआइएम जैसी पार्टियां भी जांच के दायरे में हैं और इन्हें उपद्रव के मैच का प्रायोजक माना जा रहा है। अब पुलिस इनका कनेक्शन जोड़कर उस असली मास्टर माइंड तक पहुंचना चाहती है, जो कि पूरी उपद्रव का आयोजक है। अब तक की जानकारी के मुताबिक हयात जफर हाशमी पिछले कई सालों से शहर में एमएमए जौहर फैंस एसोसिएशन के बैनर तले गतिविधियां संचालित कर रहा था। इसके बाद जब वह कई बार विवादों में आया तो अपने वर्ग के बीच जाना पहचाना चेहरा हो गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्वस्थ लिवर चाहते हैं तो पीना ना भूलें ये Detox ड्रिंक्स

लिवर मानव शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। लिवर शरीर की अनेकों गतिविधियों को नियंत्रित करता है। खाने को पचाने के साथ-साथ लिवर हमारे टेस्ट हार्मोन को भी कंट्रोल करता है। रासायनिक पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने में लिवर ही हमारी मदद करता है लेकिन आजकल बहुत सारे लोग लिवर प्रॉब्लम से ग्रस्त हैं जिसकी वजह खराब लाइफस्टाइल है।

किन कारणों से होता है लिवर डैमेज ?

शरीर का महत्वपूर्ण अंग होने के साथ-साथ लिवर रक्त को भी शुद्ध करने का काम करता है। हमारी बुरी आदतों जैसे ज्यादा तला भुना खाना, एक्सरसाइज न करना और नशीली चीजों के सेवन से लिवर पर बहुत असर पड़ता है। अधिक दबाव पड़ने पर लिवर सही तरीके से विषैले पदार्थों को बाहर नहीं निकाल पाता। जिस वजह से कई बार लिवर डैमेज होने की नौबत आन पड़ती है जिस वजह से लिवर को डिटॉक्स करना बेहद जरुरी है। ऐसे में आज हम लिवर को डिटॉक्स करने वाली कुछ हेल्दी ड्रिंक्स के बारे में आपको बताएंगे। जिससे भविष्य में आपको लिवर से जुड़ी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

● बनाना और जिंजर स्मूदी

अदरक आपके पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती है वहीं केले में मौजूद फाइबर और विटामिन आपको ऊर्जा युक्त रखते हैं। इसे बनाने के लिए एक केले को टुकड़ों में काटकर उसमें दहीं, एक छोटा टुकड़ा अदरक और 2 चम्मच शहद मिलाएं। सारे सामान को ब्लैंडर में अच्छी तरह ब्लैंड कर लें। इसका सेवन रोजाना करने से आपका लिवर हमेशा सही ढंग से काम करेगा।

● ग्रीन टी

ग्रीन-टी में नेचुरल एंटी-ऑक्सीडेंटस तत्व पाए जाते हैं। जिसके सेवन से शरीर में से सभी विषैले पदार्थ यूरीन के जरिए बाहर निकल जाते हैं। ग्रीन-टी का सेवन करने से आपका हार्ट भी हैल्दी रहता है, साथ ही यह वजन कंट्रोल करने और डायबिटीज में भी फायदा करती है।

● टमाटर का जूस

विटामिन और कैल्शियम से भरपूर टमाटर का रस पीने से लिवर के साथ-साथ फेफड़े और पेट की समस्याओं से भी राहत मिलती है। टमाटर का जूस पीने से बड़ा हुआ कोलेस्ट्रोल कम होता है साथ ही इसके सेवन से हृदय भी स्वस्थ रहता है। आपका लिवर जितना हेल्दी रहेगा आपकी त्वचा पर भी उसका असर दिखेगा। टमाटर का जूस पीने से आपकी स्किन नेचुरल शाइन करेगी।

● नींबू पानी

लीवर को स्वस्थ रखने के लिए नींबू एक अहम भूमिका निभाता है। नींबू पानी में शहद मिलाकर पीना बहुत से लोग पसंद करते हैं। गर्म पानी में थोड़ा सा नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से फैटी लिवर जैसी अनेकों परेशानियां दूर होती हैं। इस ड्रिंक को पीने से आपका वजन भी बैलेंस रहता है। नींबू पीने से आपको पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी मिलता है जिससे आपका शरीर और त्वचा स्वस्थ बनी रहती है।

● ओलोंग टी

ओलोंग टी चाइनीज लोगों की विशेष चाय है। इस चाय में आपको पॉलीफिनोल्स नामक तत्व मिलेगा जिससे आपके चेहरे से जुड़ी तमाम समस्याएं दूर होंगी। लिवर में प्रॉब्लम होने से आंखो के नीचे काले घेरे पड़ते हैं। ऐसे में इस चाय का सेवन आंखों के काले घेरे, चेहरे पर झुर्रियों जैसे बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने का काम करता है।

● ऐलोवेरा जूस

एक्जिमा और सोरायसिस जैसे त्वचा की परेशानियां भी लिवर में गड़बड़ी के कारण ही होती हैं। रक्त की शुद्धि, पाचन क्रिया को बढ़ाना, आर्थराइटिस में कारगर और शारीरिक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ ऐलोवेरा जूस के अनेकों फायदे हैं। रोजाना एक कप ऐलोवेरा जूस का सेवन हमारे स्वास्थ्य और त्वचा संबंधी कई समस्याओं को दूर करने का काम करता है।

● स्वस्थ लिवर के लिए अच्छी है हल्दी

हल्दी भी लिवर को स्वस्थ रखने के लिए उत्तम आहारों में से एक है। हल्दी भी लिवर को डिटॉक्सीफाई कर लिवर के क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को फिर से जीवित करने में भी सहायता करती है। 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर को एक गिलास पानी या फिर दूध में मिलाएं और इसे अच्छी तरह उबाल लें। इस हल्दी वाले पानी और दूध का सेवन रोजाना रात को सोने से पहले करें।

फेयरनेस क्रीम नहीं, किचन की इस 1 चीज से पाएं गोरा रंग

लड़कियां निखरी त्वचा पाने के लिए कैमिकल्स युक्त चीजों का इस्तेमाल करती हैं लेकिन जरूरी नहीं कि यह प्रोडक्ट्स हर किसी को सूट करें। ऐसे में आप मलाई से अपनी खूबसूरती को निखार सकती हैं। यह ना सिर्फ हर किसी की स्किन पर सूट करती हैं बल्कि इससे कोई साइड इफैक्ट भी नहीं होता। इतना ही नहीं, मलाई के इस्तेमाल से आप बालों से जुड़ी समस्याओं को भी दूर कर सकती हैं। चलिए आज हम आपको मलाई के २ देसी नुस्खे बताते हैं, जो आपकी त्वचा को निखारने के साथ बालों को भी सिल्की बनाएंगे।

त्वचा के लिए मलाई का नुस्खा - मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पर मौजूद टेनिंग को दूर करने के साथ-साथ दाग-धब्बे और डार्क सर्कल्स की समस्या कोभी दूर करता है। साथ ही इसके रोजाना इस्तेमाल से आप निखरी व बेदाग त्वचा पा सकते हैं। इसके लिए 2 टेबलस्पून मलाई, 1/4 टीस्पून हल्दी और 1 टीस्पून बेसन को मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इसे 10-15 मिनट चेहरे पर लगाने के बाद ताजे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें।

बालों के लिए ऐसे करें इसे इस्तेमाल - मलाई बालों में नेचुरल कंडीशनर की तरह काम करता है। इसके लिए एक कटोरी में अपने बालों की लंबाई के हिसाब से मलाई लें। इसमें थोड़ा केला मिलाकर स्कैल्प पर 20 मिनट तक लगाएं और फिर ताजे पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम 2 बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों को सही पोषण मिलेगा और वो मजबूत भी होंगे।

मलाई लगाने के अन्य फायदे

➤ एंटी-एजिंग समस्याएं

इसमें मौजूद प्रोटीन व विटामिन स्किन में कोलेजन के प्रोडक्शन को बढ़ाता है, जिससे स्किन जवां बनी रहती है और आप एंटी-एजिंग समस्याओं से बचे रहते हैं।

➤ डार्क सर्कल्स

मलाई में नींबू का रस मिलाकर आंखों के नीचे 10 मिनट लगाएं और फिर ठंडे पानी से धो लें। इसका नियमित इस्तेमाल करने से डार्क सर्कल्स खत्म हों जाएंगे।

➤ स्किन की रंगत निखरेगी

मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को डी-टैन करती है, जिससे डार्क स्किन लाइट होती है। इतना ही नहीं, रोजाना मलाई लगाने से त्वचा हेल्दी भी रहती है।

➤ बेस्ट मॉइस्चराइजर

इससे चेहरे पर सकुर्लेशन मोशन में मसाज करें और फिर पानी से साफ कर लें। इससे स्किन के डैमेज टिशू रिपेयर हो जाएंगे और त्वचा हेल्दी रहेगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...ऋचा चड्ढा ने उठाया सवाल

सिद्धू मूसेवाला की 29 मई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाद में लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी भी ली। आप को बता दे, लॉरेंस बिश्नोई ने जेल में बैठे- बैठे अपने काले मंसूबो का अंजाम दिया है। जिसके बाद पुलिस उनसे पूछताछ में जुटी हुई है। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने इस मामले मामले पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने सिद्धू मूसेवाला के लिए इंसाफ की मांग की और उन्होंने सरकार के सामने गंभीर सवाल उठाये। बता दे, सिद्धू मूसेवाला का अंतिम भोग रखा गया, जहां उनके फैंस और चाहने वाले बड़ी संख्या में पहुंचे। इसे लेकर ऋचा ने ट्वीट किया, मानसा से आने वाली हर तस्वीर मेरे दिल के हजार टुकड़े कर देती है। हालांकि ये दर्द सिर्फ पंजाबी ही समझ सकते हैं कि एक ऐसे युवक को खो देने का दुख क्या होता जो कौम के लिए इतना समर्पित था। जिन्होंने दूसरों को सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित किया, बेहतर बनें। लीजेंड्स कभी नहीं मरते। एक्ट्रेस इमोशनल तो नजर आई ही साथ ही उन्होंने सबके सामने एक बड़ा सवाल कर डाला।

अर्जुन कपूर का ट्रोलर्स को करारा जवाब

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर उन स्टार्स की लिस्ट में शामिल है जो अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोल होते रहते है। सिर्फ अर्जुन ही नहीं उनके आस -पास के लोग, यहां तक की उनकी पूरी फैमिली को किसी न किसी वजह से लोगो के ताने, गालियां, या जली- कटी बाते सुननी ही पड़ती है। शायद इसे ही कहते है सेलिब्रिटी होना का नुक्सान। आपको बता दे, हाल ही में अर्जुन को उनकी बॉडी टाइप को लेकर खूब ट्रोल किया गया था जिसका एक्टर ने कड़ा जवाब भी दिया था। वही अक्सर उन्हें मलाइका अरोड़ा संग रिलेशनशिप को लेकर भी इंस्टाग्राम या ट्विटर पर ट्रोल किया जाता रहा है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अर्जुन कपूर ने ट्रोल्स पर गुस्सा निकालते हुए कहा है कि अगर मैं उनकी मां बहनों को गाली दूं तो उन्हें कैसा लगेगा? दरअसल, ट्रोल कई बार अर्जुन कपूर के पिता बोनी कपूर और उनकी बहनों खुशी, जाह्नवी और अंशुला के बारे में भी अपशब्द लिख देते हैं। इसे अलावा मलाइका अरोड़ा के साथ अर्जुन कपूर का एज गैप और दोनों का रिलेशनशिप में होना भी कई बार ट्रोलिंग की वजह बनता रहा है। ट्रोल्स के बारे में अर्जुन कपूर ने कहा कि वो लोग आसान शिकार बनते हैं क्योंकि वो सेलेब्रिटीज हैं।

Estd. : 2011
G. D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY)
College Code : 527
Degree College:
- B.Com
- B.A.F
- B.Sc.I.T
- B.M.S
- B.Sc

Junior College:
F.Y.J.C / S.Y.J.C (Science & Commerce)
Admission Open
Contact Number:9321558419 / 9321303663
Upper Govind Nagar, Malad (East)